

Ref: MRIIRS/REGR/2023/ 221

To

The Dy. Conservator of Forests,
Faridabad.

Subject: Reg. Diversion of Forest land in favour of Manav Rachna International Institute of Research and Studies (FP/HR/SCH/41500/2019)

Sir,

In reference to your letter 17.03.2023, regarding the diversion of 13.684 HA of land in favour of Manav Rachna International Institute of Research and Studies, Faridabad and further compliance with the recommendations at paragraph 5(ii) in minutes of 46th REC meeting held on 11.01.2022 and with reference to the inputs sought during the Nodal meeting held on 28.12.2022, the point wise reply is reiterated and submitted below in continuation of our earlier letters dated 20.12.2022 and 23.02.2023 for your kind consideration;

1. As regards the area of 0.19 HA, it is submitted that this area is located outside the front boundary wall of the Manav Rachna campus and the ownership of this stretch of land vests with Manav Rachna as evidenced by documents enclosed herewith as Annexure-1). Additional land of total 14.13 HA was further offered to be given to the Forest Department for compensatory afforestation against the revised proposal of 13.874 HA (13.684 HA + 0.19 HA).
2. The details may be submitted by concerned District Forest authority.
3. The detailed breakup along with bare minimum land requirements for various degree colleges and programs as mandated by regulatory bodies is provided below and the relevant documents as desired, are being attached herewith as Annexure 2:-

Requirement of land	
Course / College	Minimum requirement of Land
First Engineering College as per AICTE norms	10 Acre (4 hectare)
Second Engineering College as per AICTE norms	10 Acre (4 hectare)
Law College as per Bar Council of India norms	5 Acre (2 hectare)
Dental College as per Dental Council of India norms	5 Acre (2 hectare)
College of Education as per	1 Acre (0.4 hectare)

MANAV RACHNA INTERNATIONAL INSTITUTE OF RESEARCH AND STUDIES

(Deemed to be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

(NAAC Accredited 'A' Grade)

Administrative Headquarters : 5E/1-A, Bungalow Plot, N.I.T. Faridabad. Phone: 0129-4198600 (30 lines)

MRIIRS Aravalli Campus : Sector-43, Delhi-Surajkund Road, Faridabad. Phone :0129-4198100 (30 lines)

E-mail : info@mriirs.edu.in URL : www.mriirs.edu.in

Received
 [Signature]
 21/4/2023



MANAV RACHNA
(vidyapitaraishah)

NCTE norms	
Degree College (running degree courses including UG & PG programs offered in Science, Management, Commerce, humanities and hotel management among others) as per Department of Higher Education, Govt. of Haryana norms	5 Acre (2 hectare)
GRAND TOTAL	36 Acre (14.40 Hectare)

Thank you for your kind consideration.


(R.K. Arora)

Registrar,
Manav Rachna International Institute of Research and Studies.

MANAV RACHNA INTERNATIONAL INSTITUTE OF RESEARCH AND STUDIES

(Deemed to be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

(NAAC Accredited 'A' Grade)

Administrative Headquarters : 5E/1-A, Bungalow Plot, N.I.T. Faridabad. Phone: 0129-4198600 (30 lines)
MRIIRS Aravalli Campus : Sector-43, Delhi-Surajkund Road, Faridabad. Phone :0129-4196100 (30 lines)
E-mail : info@mriirs.edu.in URL : www.mriirs.edu.in

ANNEXURE - 1

न्यायालय श्री बिजेन्द्र राणा, तहसीलदार, बाअख्तयारात सहायक क्लैक्टर
द्वितीय श्रेणी, फरीदाबाद

मुकदमा नं०-14/तहसील

तारीख दायरा-2-5-07

किस्म मुकदमा- दुरुस्ती गिरदावरी

मौजा- मेवला महाराजपुर

तारीख फैसला-4-6-07

एम आर एजुकेशन सोसाइटी बजरिया प्रबन्धक महेन्द्र सेठी पुत्र श्री टेकचन्द सेठी
निवासी मकान नं० 128/8, जवाहर नगर, पलवल जिला फरीदाबाद।

--प्रार्थी

बनाम

- 1- बाबूराम नम्बरदार पुत्र श्री तुल्लाराम निवासी मेवला महाराजपुर, फरीदाबाद।
- 2- मैसर्ज अथान एजुकेशनल सोसायटी, 5 ई/1-ए, एन आई टी फरीदाबाद
- 3- मैसर्ज प्रिन्कू लैंडफिल्ड प्राइवेट लि०, मकान नं० 1172, एफ ब्लॉक, चितरंजन पार्क
नई दिल्ली।
- 4- सुनील चपराना पुत्र श्री रणजीत सिंह निवासी मेवला महाराजपुर
- 5- मै० नियो प्लास्ट 3 ई/16, बी पी एन आई टी फरीदाबाद
- 6- राजबीर सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी अनंगपुर, फरीदाबाद
- 7- श्री बिस्जू तंवर, निवासी मकान नं० 769 सेक्टर 29 फरीदाबाद
- 8- मथोक भाडाना पुत्र श्री फूल सिंह निवासी अनंगपुर, फरीदाबाद।

+प्रतिप्रार्थीगण

दरखास्त दुरुस्ती गिरदावरी रबी 2007 ता. फैसला
दरखास्त ह्या ।

आदेश

Attended to True

14/6/07

Copying Examiner

Authorised by Section 16 of
The Indian Evidence Act 1871

प्रार्थी ने यह दरखास्त दुरुस्ती गिरदावरी मौजा मेवला महाराजपुर त०
व जिला फरीदाबाद खेवट नं० 977,436 में से रकबा 9 कनाल । मरला की बाबत

: 2::

दायर की व दरखास्त में लिखा है कि प्रार्थी अराजी मु०न०35, कीला नम्बरान
1 मिन०1-18, 10मिन०2-3, 11 मिन०2-6, 20 मिन०19 मरला तथा
अराजी मु०न०36 कीला नम्बरान 16 मिन०16 मरला, 25 मिन०19 मरला
का मालिक व काबिज है जो कि मुताबिक बयानामा वतीका नं० 4131
दिनांक 8-6-2006 तथा नं० 22005 दिनांक 26-3-07 व वतीका नं०4885
दिनांक 21-10-03 के द्वारा खरीद किया हुआ है। खेवट नं० 977 व 436
मौजा भवला महाराजपुर के मालिकान बहुत अधिक हैं जिन सब को अलग-2
फरीक मुकदमा बनाना व सब की तामील होनी मुश्किल है। इसलिये प्रतिप्रार्थी
नं०। ता 8 को बतौर खुद व मिनजानिब दीगर मालकान फरीक मुकदमा बनाया
गया है जिसके लिए दरखास्त जेर आर्डर। ल 8 जाबता दीवानी अलग से
दायर की जा रही है। रकबा 9 कनाल। मरला खरीदने के बाद से प्रार्थी मालिक
व काबिज है व वर्तमान में भी प्रार्थी का कब्जा है। प्रतिप्रार्थीगण का अराजी
मुन्द्रजा जिमन नं०2 दरखास्त हजा के कब्जा व काशत से सम्बन्ध ना है।
अराजी मुतनाजा की गिरदावरी प्रतिप्रार्थीगण सभी मालिकान के नाम
पर चली आ रही है जो कि खिाफ कानून व मौका व वाकात है। प्रार्थी ने
प्रतिप्रार्थीगण से कई बार कहा कि अराजी मुतनाजा की गिरदावरी प्रार्थी के
हक में दुरुस्त करवा दो मगर 30-4-07 को इन्कारी हो गए जिसकी यही
तारोख बिनार मुखातमत दरखास्त हजा है। अतः निवेदन है कि दरखास्त
प्रार्थी स्वीकार की जाए। अराजी मुतनाजा की गिरदावरी रबी 2007 ताडाल
व ताफैसला दरखास्त हजा प्रार्थी के हक में दुरुस्त की जाए व खाना काशत में
प्रार्थी के नाम का इन्द्राज किया जाए।

प्रतिप्रार्थीगण को नियमानुसार तलब किया गया। दिनांक 15-5-07
को प्रतिप्रार्थीगण इस न्यायालय में हाजिर आए व अपने अपने बयानात दिए कि
अराजी 9 कनाल। मरला पर प्रार्थी का कब्जा है और प्रतिप्रार्थीगण का
ताल्लुक वास्ता ना है। गिरदावरी प्रार्थी के हक में दुरुस्त की जाए।

बाकी सभी मालकान को बजरिया मुनादी व पब्लिकेशन तलब किया
मगर बाकी सभी मालकान बजरियापब्लिकेशन व मुनादी दिनांक 31-5-07

Attested to True

Copying Examiner
Authorized by Section 16 of
The Indian Evidence Act 1871

::3::

को अदालत में हाजिर ना आए व उनके खिलाफ कार्यवाही यकतरफा अमल में लाई गई व मिसल बराए सबूत प्रार्थी निश्चित की गई।

प्रार्थी ने अपने सबूत में अपने बयान कलमबन्द कराए। श्री महेन्द्र सेठी पुत्र श्री टेकचन्द ने अपने बयानात में कहा कि प्रार्थी अराजी मु0न035, कीला नम्बरान 1 मिन॥1-18॥, 10 मिन॥2-03॥, 11 मिन॥2-6॥, 20 मिन॥19 मरला॥ तथा अराजी मु0न036 कीला नम्बरान 16 मिन॥16 मरला॥, 25 मिन॥19 मरला॥ कुल रकबा 9 कनाल 1 मरला का मालिक व काबिज है जो कि मेवला महाराजपुर में है जो कि बजरिया बयानामा स्क्रीबिट पी डब्ल्यू-1, स्क्रीबिट पी डब्ल्यू-2, स्क्रीबिट पी डब्ल्यू-3 व स्क्रीबिट पी डब्ल्यू-4 खरीद किया था। वर्तमान में भी प्रार्थी का कब्जा है और प्रतिप्रार्थीगण का कोई लेना देना ना है। गिरदावरी प्रार्थी के हक में दुरुस्त की जाए।

प्रार्थी का सबूत समाप्त होने के बाद मिसल बराए गौर निश्चित की गई।

मैंने मिसल का भाली भांति अध्ययन कर लिया है और वकील प्रार्थी को सुन लिया है। प्रतिप्रार्थीगण ने अपने अपने बयानात कलमबन्द कराए हैं कि दरखास्त में वर्णित रकबा पर प्रार्थी का कब्जा है और उसके नाम गिरदावरी दुरुस्त करने में स्तराज ना है। प्रार्थी ने अपने बयानात में कहा है कि उसका भूमि मुतनाजा पर कब्जा है व प्रतिप्रार्थीगण का ताल्लुक वास्ता ना है।

अतः दरखास्त प्रार्थी स्वीकार की जाती है। भूमि मु0न035, कीलानम्बरान 1 मिन॥1-18॥, 10 मिन॥2-3॥, 11 मिन॥2-6॥, 20 मिन॥19 मरला॥ तथा अराजी मु0न036 कीला नम्बरान 16 मिन॥16 मरला॥, 25 मिन॥19 मरला॥ कुल रकबा 9 कनाल 1 मरला मौजा मेवला महाराजपुर की गिरदावरी रबी 2007 ता हाल प्रार्थी के हक में दुरुस्त की जाती है। गिरदावर/ पटवारी इस बाबत कागजात माल में इन्द्राज बाहक प्रार्थी करें। मिसल बाद तकमिल दाखिल रिकार्ड स्व होवे। आदेश सुनाया गया।



4-6-07

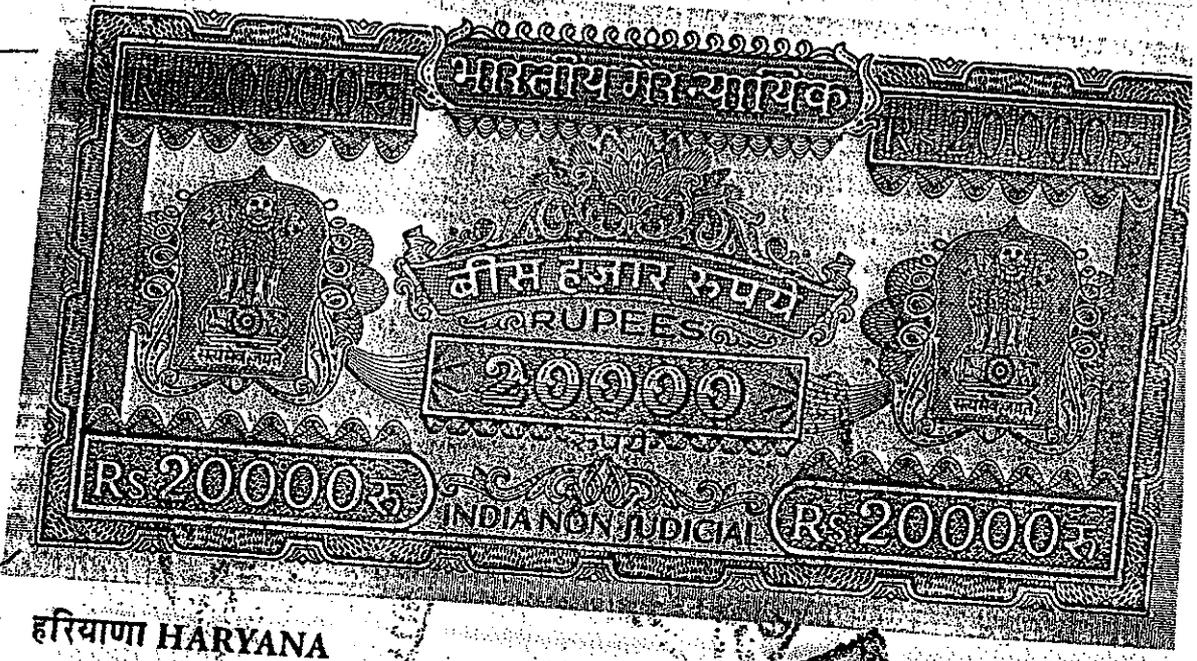
Attested to True

14/6/07

Authorised by Section 16 of
The Indian Evidence Act 1871

Assst. Collector-II Grade
Faridkot, Punjab
फरीदाबाद।

4131



हरियाणा HARYANA

176228



Audited

जमा नोटा प्रोसेस एव निरिमिका
आयुक्तक



बयनामा 5,00,000/-रुपये स्टाम्प 40000/-रुपये।

स्टाम्प जारी कर्ता जिला खजाना फरीदाबाद

क्रमांक नं० 3980 दिनांक 8-6-2006

मन्के, प्रदीप कपूर वल्द श्री अचरज लाल कपूर वल्द श्री राम लाल कपूर, निवासी 18/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली का हूँ।

जो के मैं वाके मोजा मेवला महाराजपुर त० व जिला फरीदाबाद में गैर मुम्कीन पहाड़, खेवट नं० 436, रकबा 9765 कनाल 9 मरले में से 88/171132 हिस्सा का रकबा बाकदर 5 कनाल का बरूए बयनामा रजिस्टरी शुदा दिनांक 26-10-1981 वसीका नं० 10813

शेष 2 पर—

Handwritten signature

2000 2 4 2006

No. 3980 Date 8/6/06
Name: Achay Lal (S/O Mahender Sethi) S/o
R/O: [Signature]
for S/dead Flt: [Signature]
Seller of Land Sh. [Signature] दिनांक 08/06/2006

प्रलेख नः 4131

डॉड का नाम SALE WITH IN MC AREA		Dist. Faridkot	
तहसील/सब-तहसील फरीदाबाद	गांव/शहर मेवला महाराजपुर	स्थित मेवला महाराजपुर	
भवन का विवरण			
भूमि का विवरण			
पहाड़	3 Kanal		
राशि 500,000.00 रुपये		स्टाम्प ड्यूटी की राशि 40,000.00 रुपये	
रजिस्ट्रेशन फीस का राशि 500.00 रुपये		पेस्टिंग शुल्क 3.00 रुपये	

Drafted By: RPM

यह प्रलेख आज दिनांक 08/06/2006 दिन गुरुवार समय 12 बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Pradeep Kapoor पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Achay Lal निवासी 18/9 E. East Nagar Nd द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

श्री Pradeep Kapoor

फरीदाबाद

उपरोक्त विक्रेता श्री/श्रीमती/कुमारी Mahender Sethi क्रेता हैं। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यों को दोनों पक्षों ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रुपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख में वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया। दोनों पक्षों की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी Tara Chand पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी ADV निवासी D Court Fbd व श्री/श्रीमती/कुमारी Sanjeet Bawa पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी S.S. Bawa निवासी Rajpur Rd ND ने की। साक्षी नः 1 का हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते हैं तथा वह साक्षी नः 2 की पहचान करता है।

दिनांक 08/06/2006

Joint Sub Registrar
[Signature] पंजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

Joint Sub Registrar
FARIDABAD

08606



हरियाणा HARYANA

176227

:: 2 ::

रजिस्टरी कृत सब रजिस्ट्रार बल्लबगढ़ व मन्जूर शुदा इन्तकाल नं० 3198, द्वारा मालिक कामिल काबिज हूं। मोका पर मेरा अपना कब्जा है। उक्त रकबा हर प्रकार की जेर बारी व जिमेवारी से पाक साफ है मुझे बय करने का पूर्ण हक हासिल है। बय करने में कोई कानूनी अड़घन नहीं है। अतः अब मैंने अपने हालात व मफाद को मदे नजर रखते हुये अपना उक्त रकबा 5 कनाल मरले को कुल अधिकारो सहित मु० 5,00,000/-रूपये (पांच लाख रूपये) में पास एम-आर-एजुकेशन सोसाईटी (M.R. Education Society), 5-ई-1-ऐ, बी-पी, न्यू टाउन शिप फरीदाबाद, बजरए मेनेजर श्री महेश्वर सेठी को बय कतई कर दिया है। बेच दिया है। कब्जा मोका पर अपनी जानिब से उक्त विक्रीत रकबा 5 कनाल का हवाले खरीदार मजकूर कर दिया है। खरीदार मजकूर मेरी बजाये उक्त विक्रीत रकबा की वाहिद मालिक कामिल काबिज हो गयी है। अब से बाद मेरा व मेरे वारसान का कोई वास्ता उक्त विक्रीत रकबा से ना रहा है। उक्त विक्रीत रकबा नुक्स मिलकियत व हर प्रकार की जेर बारी व जिमेवारी से पाक साफ है इससे पहले किसी अन्य को रहन, बय,

शेष 3 पर—

1
2007

Cont. No.: 39 80

Date: 9/6/10

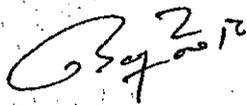
Dist. Treasurer
Treasury, Faisalabad



हिबा, पटा, तबादला आदि द्वारा मुन्तकील ना की हुई है डिग्री, कुर्की, एटेचमेन्ट, कोर्ट केस, बैंक ऋण व अन्य हर किस्म के भार से मुक्त है। अगर कोई नुक्स मिलकियत व ज़ेर बारी व गलतव्यानी निकलेंगी तो मैं व मेरी दीगर जायदाद हर किस्म खरीदार के नुक्सान मय ज़रे बय व हर्जा खर्चा हर किस्म के लिये देनदार व जिमेवार रहेंगे। खर्चा बयनामा स्टाम्प वगैरा खरीदार ने लगाया है। दस्तावेज़ मुतलका खरीदार को सौंप दिये है। दाखल खारज बाहक खरीदार करा दूंगा अगर इस दस्तावेज़ की बिना पर कर दिया जाये तो मुझे कोई उजर ना होगा। कुल ज़रे बय मु0 5,00,000/-रूपये (पांच लाख रूपये) बज़रए ड्राफ्ट नं0 696760 दिनांक 8-6-2006 उपर दी कर्णाटका बैंक लि0, फरीदाबाद द्वारा वसूल तसलीम है। कुछ बाकी ना रहा है। अतः यह बयनामा बाखुशी खुद सुन समझ कर लिख दिया है कि सनद हो वक्त ज़रूरत काम आवे। दिनांक:- 8/6/2006.

प्रदीप कपूर बाया।

क्रेता:



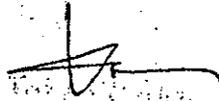


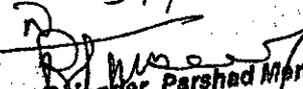
ग: विजय शर्मा
 श्री पुष्पा शर्मा के नाम पर
 मरदा 019

ग: श्री कमलेश बाबा शर्मा के नाम पर
 बाबा श्री 35, काजपुर के पास दिल्ली

विजय शर्मा

Kamlesh Baba



344

Rajender Parshad Mendiratta
 Legal Document Writer
 Tehsil Compound Faridabad
 Rasi:- 13419, Faridabad
 M: 9811160444, P: 0112202101

Reg. No. 4131 Reg. Year 2006-2007 Book No. 1



विक्रेता

विक्रेता

Pradheep Kapoor

Pradheep Kapoor



क्रेता

क्रेता

Mahender Sethi

Mahender Sethi



गवाह

गवाह :- Tara Chand

Sanjeet Bawa

Tara Chand Sanjeet Bawa

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 4.131 आज दिनांक 08/06/2006 को बही नः 1 जिल्द नः 0 प्रष्ठ नः 135 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 15 के प्रष्ठ सख्या 91 से 93 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है।

दिनांक 08/06/2006

उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

प्रमाणित किया जाता है कि प्रलेख क्रमांक 4131
पंजी नं. 08/06/2006
दिनांक 08/06/2006
किसर नं.
पंजी नं.
दिनांक 08/06/2006
को दर्ज किया गया।

Joint Sub Registrar
FARIDABAD





हरियाणा HARYANA

202317



बयनामा 1,67,500/-रूपये स्टाम्प 13,400/-रूपये।

मन्के, श्री नवीन कुमार वल्द श्री साधू राम निवासी कनाल कालोनी, फरीदाबाद त0, व. जिला फरीदाबाद का ह।

जो के मैं वांके भोजा भेवलामहाराजपुर त0 व जिला फरीदाबाद में गैर मुम्कीन पहाड खेवट नं0 436, कुल रकबा 9765 कनाल 9 मरले में से 59/171132 हिस्सा के रकबा बाकदर 3 कनाल 7 मरले, का बरुए बयनामा रजिस्टरी शुदा दिनांक 28-7-1981 वसीका नं0 6494 रजिस्टरी कृत सब रजिस्टरार बल्लबगढ, द्वारा वाहिद मालिक कामिल काबिज हूं व इसके बारे में कागजात माल में इन्तकाल नं0 2756 पर मेरे हक में दर्ज व मन्जूर हो चुका है।

शेष 2 पर—

Handwritten signature





रियाणा HARYANA

703475

:: 2 ::

उक्त रकबा हर प्रकार की जेर बारी व जिमेवारी से पाक साफ है मुझे बय करने का पूर्ण हक हासिल है। बय करने में कोई कानूनी अड़चन नहीं है। अतः अब मैंने अपने हालात व मफाद को मद्दे नज़र रखते हुये अपना उक्त रकबा 3 कनाल 7 मरले (तीन कनाल सात मरले) को कुल अधिकारो सहित मु0 1,67,500/-रुपये (एक लाख सत्तासठ हजार पांच सौ रुपये) में पास एम आर एजुकेशन सोसाईटी, (M.R. Education Society.), 5-ई-1-ए. बीपी, न्यू टाउन शिप फरीदाबाद, बज़ार श्री महेन्द्र सेठी, को बय कतई कर दिया है। बेच दिया है। कब्ज़ा मोक़ा पर अपनी जानिब से उक्त विक्रीत रकबा 3 कनाल 7 मरले, का हवाले खरीदार सोसाईटी मजकूर करा दिया है। खरीदार सोसाईटी मजकूर मेरी बजाये उक्त विक्रीत रकबा की वाहिद मालिक कामिल काबिज हो गयी है। अब से बाद मेरा व मेरे वारसान का कोई वास्ता उक्त विक्रीत रकबा से ना रहा है। उक्त विक्रीत रकबा नुक्स

शेष 3 पर—

Handwritten signature





हरियाणा HARYANA

703474

:: 3 ::

मिलकियत व हर प्रकार की जेर बारी व जिमेवारी से पाक साफ है इससे पहले किसी अन्य को रहन, बय, हिबा, पटा, तबादला आदि द्वारा मुक्तकील ना की हुई है डिग्री, कुर्की, एटेचमेन्ट, कोर्ट केस, बैंक ऋण व अन्य हर किस्म के भार से मुक्त हैं। अगर कोई नुक्स मिलकियत व जेर बारी व गलतव्यानी निकलेगी तो मैं व मेरी दीगर जायदाद हर किस्म खरीदार के नुक्सान मय जरे बय व हर्जा खर्चा हर किस्म के लिये देनदार व जिमेवार रहेंगे। खर्चा बयनामा स्टाम्प वगैरा खरीदार ने लगाया है। दस्तावेज मुतलका खरीदार को सौंप दिये है। दाखल खारज बाहक खरीदार करा दूगां अगर इस दस्तावेज की बिना पर कर दिया जाये तो मुझे कोई उजर ना होगा। कुल जरे बय मु0 1,67,500/-रुपये (एक लाख सतासठ हजार पांच सौ रुपये) तमाम का तमाम बजरए डाफ्ट नं0 329663 दिनांक 17-03-2007 उपर दि कर्णाटक बैंक लि0, फरीदाबाद, द्वार वसूल तसलीम है। कुछ बाकी

शेष पेज 4 पर—

A circular stamp with some illegible text inside, and a handwritten signature in black ink next to it.

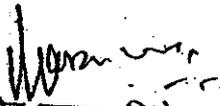


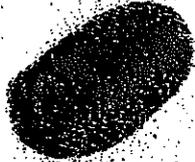
हरियाणा HARYANA

703473

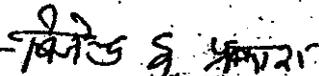
4:

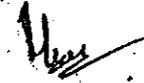
ना रहा है। अतः यह बयनामा बाखुशी खुद सुन समझ कर लिख दिया है कि सनद हो वक्त जरूरत काम आवे। दिनांक:- 26/3/2007

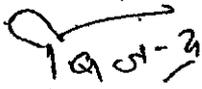

श्री नवीन कुमार, विक्रेता।

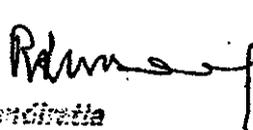


क्रेता: एम आर एजुकेशन सोसाईटी,
बज़र श्री महेन्द्र सेठी।

गवाह:- 
जानक, पत्नी विक्रेता


गवाह:- 
विश्वरूप बघाल
बयनाम
करीब



R.N.258 

Ajender Parbat Mendiretia
Legal Document Writer
Tehsil Coochibed, Faridabad
Post:-10100, Faridabad
M.C.011180414, m.c.0222781



हरियाणा HARYANA

Handwritten signature

B 508659



हरियाणा HARYANA

B 508660

[Handwritten signature]



हरियाणा HARYANA

B 508661

Handwritten signature



हरियाणा HARYANA

B 508662

Waman

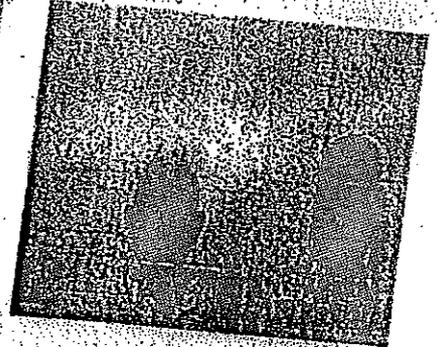
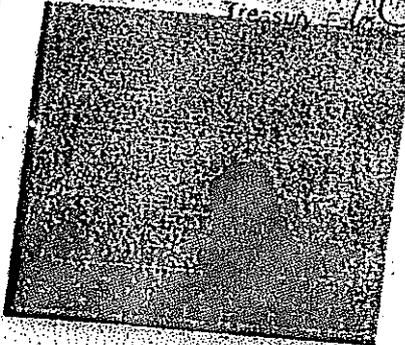
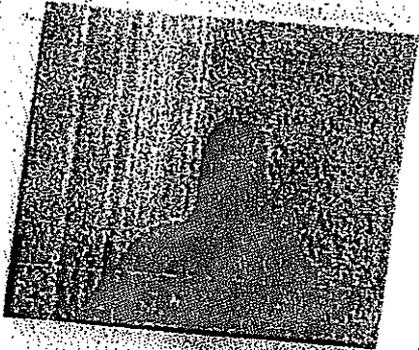
Reg. No.
22005

Reg. Year
2006-2007

Book No.
1

Com. No.: 19313

Dist. Treasur. 19-3-07



विक्रेता
Naveen Kumar

विक्रेता
[Signature]

क्रेता

गवाह

क्रेता

Mahender Sethi

[Signature]

गवाह 1:- Bishamber Dayal

[Signature]

गवाह 2:- Bijender

[Signature]

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 22,005 आज दिनांक 26/03/2007 को बही न: 1 जिल्द न: 1 के पृष्ठ न: 94 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 34 के पृष्ठ सख्या 61 से 92 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठ मेरे सामने किये है।

दिनांक 26/03/2007

उप/सर्वोक्त पंजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

22005
दिनांक 26/3/2007
26/3/2007

PARIDAS





04AA 824008



विक्रेता :-

क्रेता :-

मौजा :- मेवला महाराजपुर

नगर-निगम की सीमा के अन्दर

! गैर सुप्रकिन पहाड!

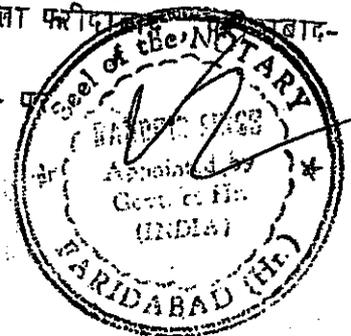
बयनामा मात्स्यती 91,000/-रुपये, स्टाम्प = 14,105/-रुपये,
 स्टाम्प विवरण 10000*1-1000*4-100*1-5*1 कित्ता-07,
 जिला खजाना फरीदाबाद, क्रमांक 4545 मोरखा 21/10/2003

मैं, नवदीप चपराना पुत्र श्री प्रेमतीह चपराना निवासी परमेश्वरी क्लॉनी संकट छह मोहन भगवत आश्रम -14/7 म्यूना. रोड फरीदाबाद मु0आम मिनु जानिब सर्व श्री मेहरचन्द पुत्र व श्रीमती बीरबती - व बीरबाला पुत्रियान स्वर्गीय श्री हरजान व उर्फ हरजीन ,तीनो समभाग -30 भाग , बन्वे मु0नामा आम रजि0पुदा बा नं--11568 मोरखा दर्ज 24/7/2002 स.र.-ग डिस्ट्रिक्ट नार्थ दिल्ली व नीज मु0आम श्री खेडू उर्फ खेडा पुत्र छीतर -46 भाग , बन्वे मु0नामा आम रजि0 पुदा बा नं--13464 मोरखा दर्ज 21/8/2002 स.र.-ग डिस्ट्रिक्ट नार्थ दिल्ली , सब साकिनान मेवला महाराजपुर तहसील व जिला फरीदाबाद हैं !

जो कि वाके मौजा मेवला महाराजपुर तहसील व जिला फरीदाबाद

(Handwritten signature)

शेष पृष्ठ - 2 - प



10200 + 100 + 17 - 13 = 14105 -

No. 4375 Dated 21-10-03
Name of the Property 217 H. No. 14
R/o. ...
Deed for Rupees ... for Sale
Seller of Sh. ...

Handwritten notes in Hindi: 217 H. No. 14, 217 H. No. 14, 217 H. No. 14

District Registrar
FARIDABAD

Handwritten signatures and notes on the left side of the document.

21-10-03
25
Handwritten numbers and dates.

Joint Sub Registrar
FARIDABAD

Handwritten text in Hindi, possibly a list of names or addresses: ...

Handwritten signature and a large checkmark.

Joint Sub Registrar
FARIDABAD

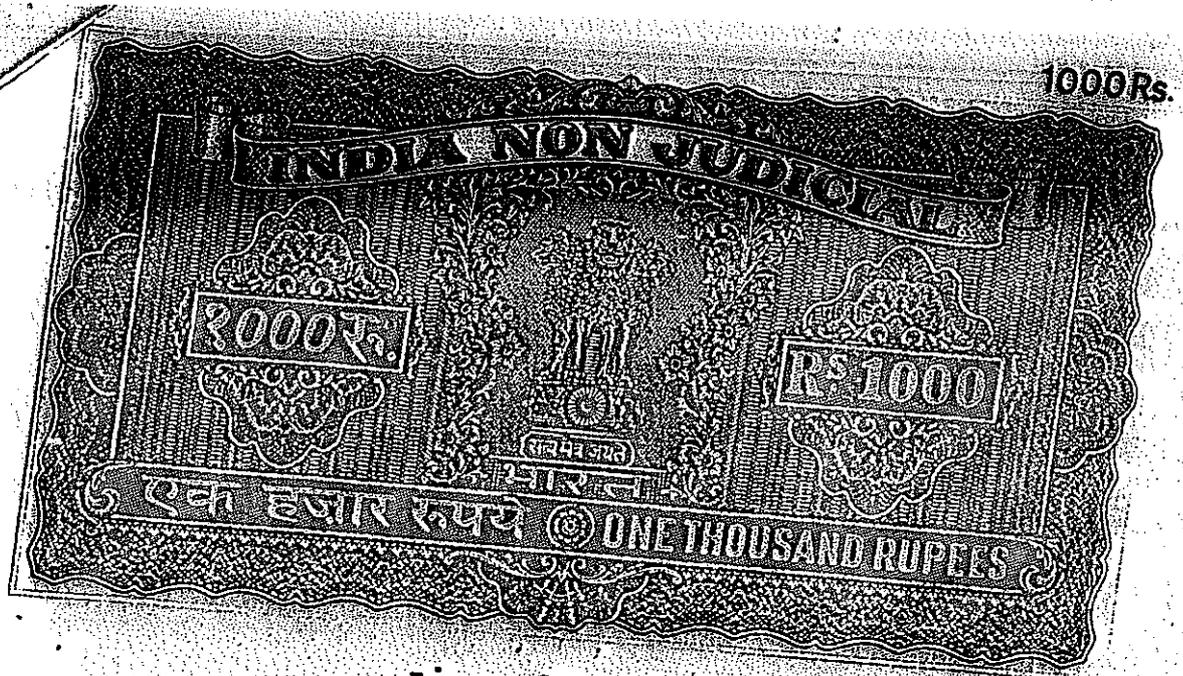
Handwritten signature.

Handwritten signature and text: ...

Joint Sub Registrar
FARIDABAD

Handwritten text: ...

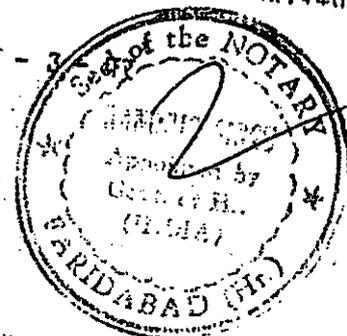
Joint Sub Registrar
FARIDABAD
21-10-03

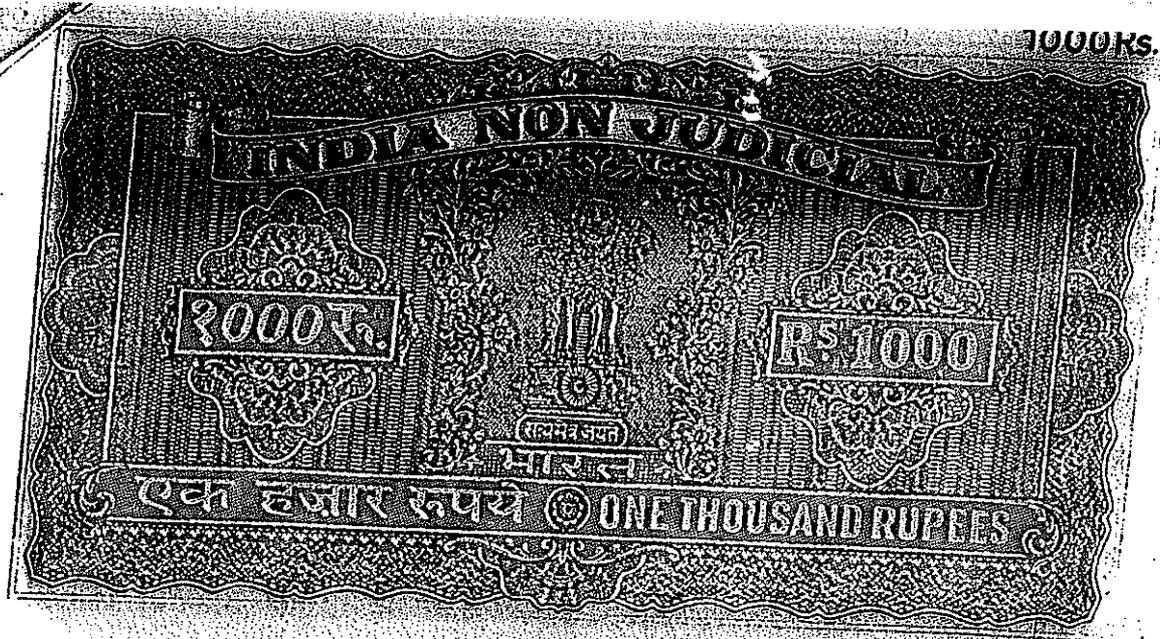


2 :-
 गैर मुमकिन पहाड , सुन्दरजा सेक्ट नं.-977 साल जमाबन्दी 1998-99
 कुल बा रकबा 2755 कनाल 3 मरले मे से 3 कनाल 16 मरले , हमारी
 मिलीक्यत मकबूजा हुद है। मौका पर मेरा /हमारा अपना कब्जा है।
 हर प्रकार की जेरबारी व देन्दारी बारे रहन-ठिकरी-कूर्की-जमानत-किफायत
 आदि आदि से पाक साफ है इस्से पहले किसी अन्य के पास किसी भी रूप से
 बन्धत या हस्तान्तरित की हुई नहीं है और ना ही सेता करने का कोई लिखत
 या मौखिक इकरार किसी अन्य से कर रखा है। इस सम्पति की बाबत किसीभी
 अदालत मे कोई झगडा-मुकदमा आदि जेर त्जबीज नहीं है और ना ही इस सम्पति
 पर किसीभी अदालत का कोई स्टे आदि लगा हुआ है। मु०नामा आम दातागण
 जिन्दा हैं। मुरत्यारनामा आम ता हाल बहाल हैं ! मु०नामा आम जात कौन्सल
 ना हूये हैं ! अब हमे अपने मौका की दीबर जायदाद खरीदने के लिये व बराये -
 जरूरयात खानगी व तोखानी धन की जरूरत है इसलिये अब हम सोच समझकर अपने
 व अपने खानदान के मजद व जरूरयात को मदे नजर रखकर अपनी उक्त सालिम
 सम्पति को हर प्रकार से पाक साफ हालत मे, कुल मुवलिग इक्क्यान्मे हजार रुपये ₹
 91,000/-रुपये में आये जिसके 45,500/-रुपये होते है में , हो ते हे में पास -
 सम.आर.रेजुकेशन सोसायटी " 5 ई.-1/ए. बी.पी. एन.आई.टी.फरीदाबाद
 तहसील व जिला फरीदाबाद, बजरया श्री अभय त्तपान पुत्र श्री सी.के. त्तपान -
 निचासी 41। सेक्टर-23 फरीदाबाद मैनेजर सोसायटी हजा, बय कौई व फिरोकमत

Handwritten signature

शेष पृष्ठ - 3



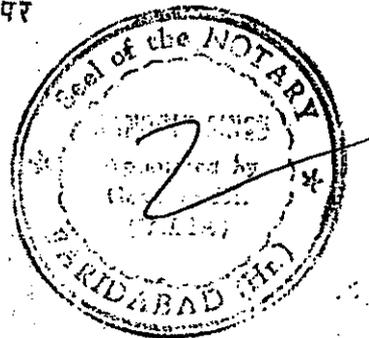


- 3 -

कूली कर दिया है। कूल जरे ब्य नकद रुबस अमसर रजिस्ट्ररी वसूल करेगे। कब्जा मौका पर इसी समय ही हवाले खरीददार कर दिया है। अब से बाद हमारा व हमारे वारसान का कोई सम्बन्ध सम्पत्ति मुबैया बाला से नहीं रहा है जो ओर जिस कदर एक हकूक बतौर वाहिद मालिक कामिल व काबिज के हमाके उक्त सम्पत्ति की बाबत हासिल है वह तमाम के तमाम हमारी बजाये उक्त खरीददार को हासिल हो गये हैं मुशतरी उक्त सम्पत्ति का वाहिद मालिक कामिल व काबिज हो गया है। दाखिल खारिज करा देगे या इस ब्यनामा की रुह से मुशतरी स्वयं क्व करा लेवे तो हमे कोई उजर सतराज नां होगा। बिल्क ऐसा कर दिया जाना चाहिये। मुख्तयारनामा आम जात दातागम जिन्दा है मु०नामा आम जात ता हाल बहाल है। हमारे टाईटल मे कोई नुक्स या जेरबारी निक्ली या कोई नुक्स मिलविद्यत या कोई नुक्स कानूनी या वाकीयात/या वाकियाती आदि निक्ला या किली भी दीगर ने किली भी किस्म का का कोई हक जताकर खरीददार के डिहते या उसके शांतिपूर्ण कब्जा मे कोई विटन पैदा करने की वेष्ठा की या मु०नामा आम जात दातागम जिन्दा हुये या मु०नामा आम जात कौन्सल हो चुके हुये, हुये तो मे मु०आम व मेरी जायदाद से व विक्रेतागम व उनकी दीगर जायदाद व हमारे वारसान व उनकी दीगर जायदाद हर किस्म सम्पत्ति मुबैया बाला व जरे ब्य आकद की मय हर्जा खर्चा व लागत नुक्सान के मुशतरकन व -

शेष पृष्ठ - 4 - पर

Alhapp





मुन्करदन तौर पर देनदार होगी । कुल खर्चा बयनामा मय स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन फीस आदि के तमाम का तमा खरीददार ने लगाया है । अतः यह बयनामा हमने छुन तन सोच समझकर बा खूबी छुद बा तन्दुरुस्त होशो हवास के अपनीतमाम की तममाम / तमाम इन्डियो की स्वस्थ एवं चेतन अवस्था से बिना किसी जोर जबर व बहकाव फुलताव आदि के अपने पूछ अन्तःकरण से स्वरु गवाहान के लिख दिया है तारीक सनद हो वक्त जरूरत काम आवे तिथि:- 21/10/2003

ह. नवदीप धराना मु0आम मिन जानिब
 मु0आम मेहरचन्द-श्रीमती बीरबती-बीरहाला
 व मु0आम मिन जानिब श्री खेडू उर्फ, खेडा
 विक्रेता -----

ह.एम.आर. रेजुकेशन सोसायटी क्रेता
 बजरया श्री अभ्य खलवान , मैनेजर
 सोसायटी हजा -----

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

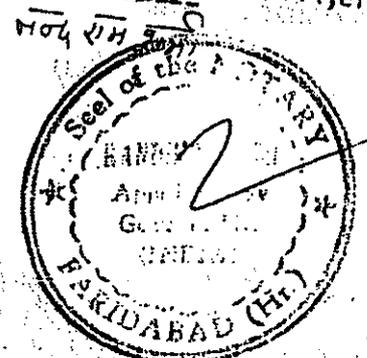
सा :- 1 बाबुराम नम्बरदार मेवलापहारांजपुर
 तह0 व जिला फरीदाबाद, हरियाणा ।

सा. 2 कंदराम पुत्र श्री सोहन लाल नि0
 अन्वीर, तह0 व जिला फरीदाबाद, हरि:

ATTESTED PHOTO COPY
 NOTARY
 FARIDABAD

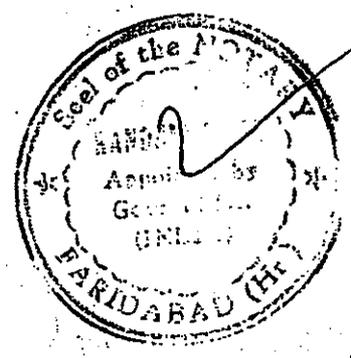
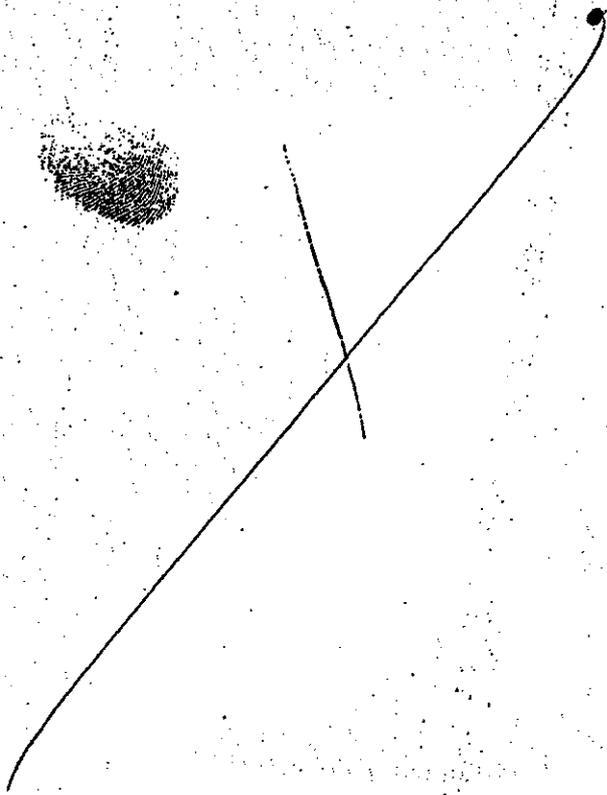
19 FEB 2004

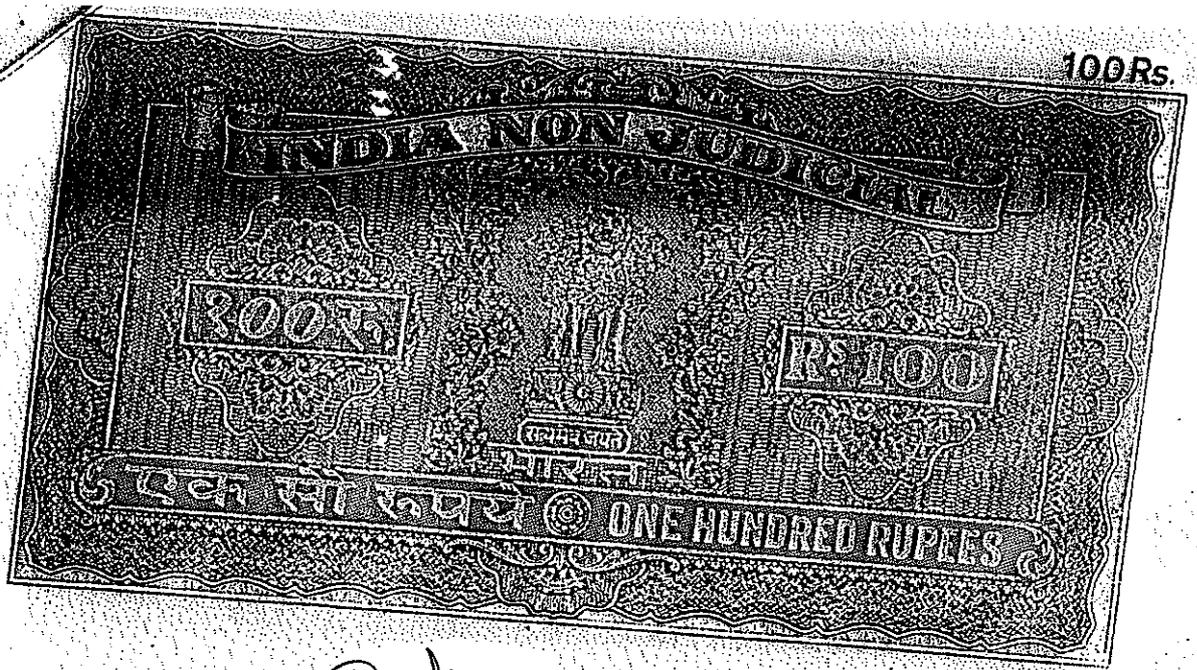
[Handwritten signature]
 Advocate



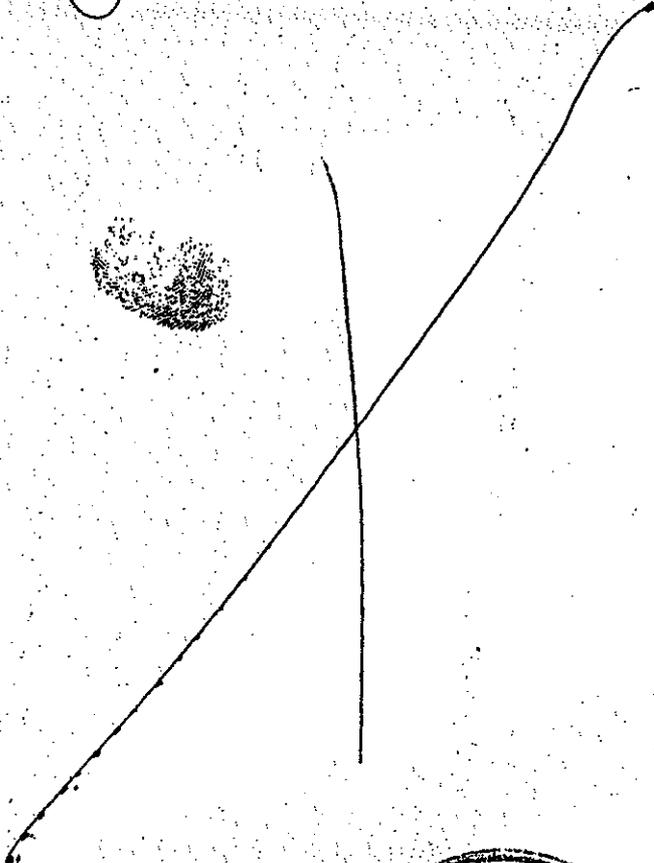


M. K.



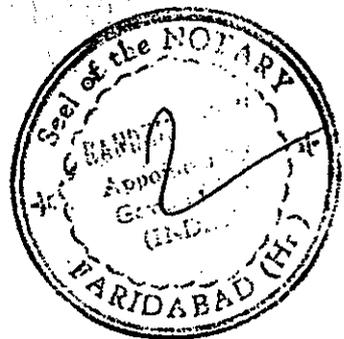


Handwritten signature or initials inside a circle.





(Handwritten mark)



Reg. No. 4885
Reg. Year 2003-2004

Book No.

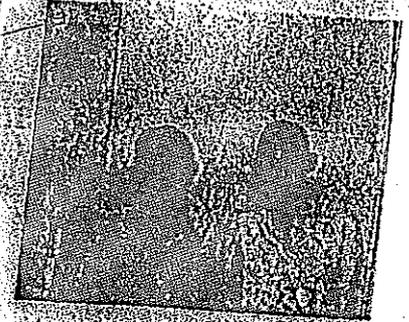
4885
21/10/03



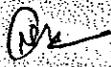
विक्रेता

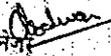


क्रेता



गवाह


विक्रेता :- नन्दराम/GPA

क्रेता :- 
मने

गवाह :- बाबू राम
01/8217

नन्द राम
जन्म राम शिमा

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 4,885 आज दिनांक 21/10/2003 को बही न: 1
जिल्द न: 0 प्रष्ठ न: 5 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1
जिल्द न: 0 के प्रष्ठ सख्या 58 से 60 पर चिपकाई गयी।

दिनांक 21/10/2003

उप/सयुक्त पंजीयन अधिकारी
फरीदाबाद

4885
21/10/03
21/10/03


Joint Sub Registrar
FARIDABAD

जगह :

नांक :

(न्यास/सोसाइटी के अध्यक्ष/सचिव/न्यासी/अधिकृत
हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर)

(मोहर)

प्रो. जे. पी. गुप्ता, सदस्य-सचिव

पद-टिप्पणी:—अधिसूचना सं. एफ. 304-4/सी. सी. एफ./आर. ई. जी./94 दिनांक : 31-10-94 के अनुसार मूल विनियम भारत के राजपत्र, भाग III, खंड 4 दिनांक : 23 नवंबर, 1994 को प्रकाशित किए गए।

ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 1997

No. F. 711-6-1/ET/96 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the All India Council for Technical Education Act, 1987 (52 of 1987), the All India Council for Technical Education hereby makes the following regulations to amend the All India Council for Technical Education (Grant of approval for starting new technical institutions, introductions of courses for programmes and approval of intake capacity of seats for the courses or programmes) Regulations, 1994, namely :—

1. (1) These regulations may be called the All India Council for Technical Education (Grant of approval for starting new technical institutions, introducing of courses or programmes and approval of intake capacity of seats for the courses or programmes) Amendment Regulation, 1997.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the All India Council for Technical Education (Grant of approval for starting new technical institutions introduction of courses or programmes and approval of intake capacity of seats for the courses or programmes) Regulations, 1994 (hereinafter referred to as the said regulations), regulations 2 shall be re-numbered as sub-regulation (1) thereof, and after sub-regulation (1) as so re-numbered, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—
 - (2) These regulations shall not be applicable to the proposals relating to post graduate courses for Master of Business Administration or equivalent, Master of Computer Application or equivalent, and all post graduate courses in the field of technical education."
3. In the said regulations,—
 - (a) in regulation 3,—
 - (i) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—
" (b) Bureau AIB" means the Bureau All India Boards of Studies of the council;
 - (ii) for clauses (d) and (e), the following clauses shall be substituted, namely :—
(d) "Bureau RDII" means the Bureau of Research and Development Institute Interaction of the Council;
(e) "Bureau ET" means the Bureau of Engineering and Technology of the Council;
 - (b) for the expressions "Bureau BOS", "Bureau RA" and "Bureau RC", wherever they occur, the expressions "Bureau AIB", "Bureau RDII", "Bureau ET" shall respectively be substituted.
4. In the said regulations in regulation 4, in sub-regulation (2), in clause (ii), the words "in respect of professional colleges" shall be omitted.
5. In the said regulations, in regulation 5,—
 - (a) in sub-regulation (1),—
 - (i) for the opening words "Forms application" the words "Forms of applicaton" shall be substituted;
 - (ii) after the words "seats in the courses", the words "or for obtaining a letter of viability" shall be inserted ;
 - (b) in sub-regulation (2), after paragraph (c), the following paragraph shall be added, namely :—

"(f) An application for obtaining letter of viability from the Council for starting a new technical institutions shall be made in Form VI."

6. In the said regulations, in regulation 7, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(1) Every application for approval of the Council shall be submitted to in triplicate with a copy each to the concerned agencies as per the provisions of these regulations."

7. In the said regulations, for regulations 8 and 9, the following regulations shall be substituted, namely :—

"8. Scrutiny of Applications :—

- (1) On receipt of a copy of the application submitted to the Council for obtaining a letter of viability, the concerned University or the Directorate of Technical Education, having jurisdiction in the area in which the new technical institution is to be started, shall make arrangements for scrutiny and verification of the information contained therein.
- (2) If the University or the Directorate of Technical Education, as the case may be, desires to have a local inspection of the site, it may constitute its Local Inspection Committee (LIC) and under intimation to the applicant make such inspection of site.
- (3) On receipt of the report of the Local Inspection Committee or after verification of the particulars contained in the application to the satisfaction of the University or the Directorate of Technical Education as the case may be or by such other means as it may deem proper, it shall give its recommendations to the respective State Government or the University Grants Commission with a copy to the Council.
- (4) On receipt of the report containing the recommendations of the University or the Directorate of Technical Education, as the case may be, under sub-regulation (3), the State Government or the University Grants Commission, as the case may be, shall forward the report and its recommendations to the Council specifically dealing with the viability of the proposal having regard to the following requirements :—

(a) Requirement of Land :

The application shall identify suitable land for starting the new technical institution. The minimum requirement of such land shall be as indicated in Table I below :

Table I

Serial Number (1)	Locality (2)	Minimum Requirement of Land (Engineering and Technology)	
		(3)	
		for Degree Level Institution (i)	for Diploma Level Institution (ii)
1.	Rural area	10 Hectares	8 Hectares
2.	Taluk or District Headquarters	4 Hectares	4 Hectares
3.	Metropolitan Cities or State Capitals	2 Hectares	2 Hectares

Note :—

It shall not be necessary for the applicant to have ownership or title of the land proposed to be utilised for starting the new technical institution at the stage of making the application in Form VI. The ownership or title shall be required only after issuance of the letter of viability.

(b) Funds

(i) The minimum requirement of funds for starting of new technical institution by a registered society/trust shall be as detailed in Table II below :

Table II

Serial Number	Level of Engineering and Technology Institutions	Minimum Fund required
(1)	(2)	(3)
1.	Degree	Rs. 50 lakhs
2.	Diploma	Rs. 25 lakhs

Guidelines for Opening of Self Financing Law College

1. Submission of proposal for Opening New Law College:

- (i) An application in the prescribed format containing the proposal with a detailed project report (DPR) shall be submitted to the Government by the applicant only after putting in place the requisite Infrastructure etc as per the guidelines.
- (ii) The applicant can be a Non-profit Organization like a Public Trust/Society registered under Union or State Law or a Company registered under section 25 of the Companies Act, 1956. The Registration document of the sponsoring body alongwith membership and list of office bearers with address and objectives of the Society/Trust and terms & conditions governing them in the form of resolution of the Trust/Society shall be submitted alongwith the application.
- (iii) The applications of only those societies/trusts that are already successfully running quality educational institutions will be considered for permission to open law Colleges, on Self Financing basis. The applicant trust/society should have an experience of at least five years of running an Institute of higher learning with a certificate of accreditation and substantial proof of academic credentials etc. Applications of those trust/societies that have no experience of running institutes of higher learning will not be entertained.
- (iv) All properties, assets and the academic support services shall be required to be recorded in the name of the Institution.
- (v) If the application is found to be in order, an inspection would be carried out to verify the actual compliance.
- (vi) In case all laid down conditions are satisfied, a NOC would be issued.

2. Requirement of land:

The minimum requirement of land for a Law College shall be 5 acres. No Law College can be opened unless the Sponsoring Body is in possession of 5 acres of land either by way of ownership or on a perpetual Irrevocable lease of at least 30 years or gift deed at the time of application.

3. Endowment Fund Minimum Capital Fund Requirement:

The applicant shall create a non-transferable endowment fund in the name of the Society or Trust as the case may be. Funds worth Rs 2.00 Crores for various purposes and Rs 50.00 Lacs for endowment funds are required for opening a new College which will be pledged in the name of the Higher Education Commissioner, Haryana. The endowment funds in the shape of FDR of Rs. 50.00 lacs shall be deposited in the office of the Higher Education Commissioner, Haryana within 30 days of issuance of provisional NOC. In addition to this a Bank Guarantee amounting to Rs 1.00 crores will also be required.

4. Administrative Block:

There shall be an administrative block consisting of Principal's room with basic amenities, Office room, staff room with toilets (M & F), departmental rooms etc.

5. Building :

There shall be the academic block building to provide separate class rooms for general class for each section sufficient to accommodate sixty students as per the requirement of per student, floor space as specified by the UGC and also such other rooms for tutorial work, moot court room exercises, common room for male and female students and adequate library space for keeping books, periodicals, and journals. The library shall also have adequate reading room space for at least 25% of the enrolled students according to per capita reading space specified by UGC and computer & internet facilities. A multi purpose conference Hall/Auditorium in the Institution must/may be provided.

6. Library:

There shall be adequate space in the library for computer facility with access to internet and national and international library access and data bases.

Minimum Library requirement: To start with, a Law Library shall have a set of AIR manual, Central Acts and Local Acts, Criminal Law Journals, SCC, Company cases, Indian Bar Review, selected Judgments on Professional Ethics and Journals with the back volumes for at least ten years and also such number of text and reference books in each subjects taught during the period according to the

minimum standard ratio of ten books for each registered students. For running integrated program, text books relevant to the course of study are also to be kept in the similar minimum ratio. The minimum investment in Library in each academic year shall be Rupees Five Lacs for one stream and Rupees Ten Lacs for both the streams.

7. Laboratories:

Institutions running integrated law program shall have adequate laboratory facilities in various course of studies, if offered in the curriculum for Science, Engineering and technology course along with law courses. The standard of such laboratory, per capita space, equipments, supplies, and other facilities shall be as specified by the UGC/BCI etc.

8. Hostels:

There shall be facilities required for hostels separately for boys and girls students constructed on the direction an specifications by the UGC.

9. Essential Services:

- a) Adequate facilities (water, electricity, sewerage)
- b) Separate common room for boys and girls be provided in co educational colleges
- c) There should be play grounds and indoor game facilities.
- d) There should be separate toilets/wash rooms for boys and girls
- e) There should be canteen & parking space facilities for students and staff

10. Principal:

There shall be a whole time Principal/ Head for each Law College or a Centre of Legal Education in a multi faculty Institution, who shall have minimum qualifications prescribed by the UGC/BCI or any other regulatory body.

11. Staff:

Appointment of the academic staff shall be made for teaching all courses. Steps taken to recruit adequate number of full time and visiting faculty members to teach each subjects of studies, each faculty having at least a Master Degree in the respective subject as required under the UGC/BCI rules.

12. Core Faculty:

There shall be sufficient number of full time faculty members in each Centre of Legal Education to teach each subject at all point of time for running courses which can be supported by part time or visiting faculty. Such a core faculty shall in no case be less than six in the first year of the approval with both streams in operation, eight in the second year and ten in the case of third year of Law Courses. In addition, for the integrated course there shall be adequate faculty in the subjects offered in the liberal educational subjects as part of the course by the Institution. The teachers for Management, Commerce, and Engineering & Technology or any other discipline shall possess qualification as is required under the UGC guideline or under such other standard setting body as the discipline is allotted to by any Act, statute, or Rules of the Government of India or of a State. For the Three Year Bachelor of Law Degree course only with two sections without the Honors programme, there shall be minimum of 4 core faculty in the first year; six in the second and eight in the third year in addition to the Principal/Head or Dean as the case may be Provided that an Institution intending to run any specialized or Honors course must have at least three faculty in the group in which specialization and honors courses are offered. Provided further that each full time faculty shall take as many classes in the subject or subjects as may be assigned to them on the basis of standard prescribed by the standard setting Institution like UGC and /or BCI.

13. Teaching Work Load:

The teaching work load of full-time and part time teachers shall be according to the minimum norms prescribed by the UGC/University/State Govt. from time to time size of section; periods per week; duration of periods/moot court and project work will be as per BCI Rules of Legal Education/University.

14. Admission Procedure:

The institution shall adhere to all the instructions, rules and regulations issued from time to time by the Government/Universities in this regard. The reservation policy for admission by State Govt. will be followed.

15. Fee and funds:

The institution shall charge only such fee and funds from the students as prescribed by the Affiliating University/ State Government as amended from time to time. The Institute will have to give undertaking for fee concession to reserve categories as per State Govt. policy and shall not charge donations, capitation fee etc. from the students.

16. Internship:

The Institution shall adhere to the BCI rules of Legal Education, 2008 schedule 3 Clause 27 or as amended from time to time. Legal Aid Centre and Computer Education will be compulsory for the students.

17. The Educational Society/Trust will have to give an undertaking that the proposed college shall observe the provisions of the Acts, Statutes, Ordinance and regulations of the Government/UGC/University as amended from time to time and of BCI rules of Legal Education given under sections 7(1)(h) and (i), 24 (1)(c)(iii), and (iiia), 49(1) (ai), (ag), and (d) of the Advocates Act, 1961 made by the Bar Council of India in consultation with Universities and State Bar Councils. The Educational Society/Trust will submit the undertaking required by the Government in the Form of an Affidavit.

18. An undertaking in the form of an affidavit that the information and documents submitted by the applicant are authentic and true.

19. In case of violation detected at any stage, the NOC would be withdrawn.

20. A non refundable processing fee of Rs. 2.00 lac (In the form of a bank draft, drawn in favour of Higher Education Commissioner, Haryana) shall have to be submitted along with the application.

21. An inspection shall be carried out to verify compliance of the required norms and claims made by the applicant society/trust. In case all conditions are satisfied, NOC would be issued. If however, at any stage subsequently, any violation/contravention/ misrepresentation/ misconduct comes to notice; NOC shall be liable to be withdrawn and endowment fund and bank guarantee shall be forfeited.

Dental college

PERMISSION OF THE CENTRAL GOVERNMENT TO ESTABLISH A NEW DENTAL COLLEGE

5. Application for the establishment of a dental college.-

Any person eligible under regulation 6 may establish a dental college after obtaining prior permission of the Central Government by submitting a scheme in Form I as annexed to these regulations.

6. Eligibility and qualifying criteria.-

(1) The following organizations, subject to sub-regulation (2), shall be eligible to apply for permission of the Central Government to set up a dental college, namely:-

- (a) a State Government or a Union territory administration;
- (b) a University;
- (c) an autonomous body promoted by the Central or a State Government;
- (d) a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or corresponding enactments in States; or
- (e) a public religious or charitable trust registered under the Trust Act, 1882 (2 of 1882) or the Wakf Act, 1954 (29 of 1954).

(2) The organizations under sub-regulation (1) shall qualify to apply for permission to establish a dental college if the following conditions are fulfilled:-

(a) dental education is one of the objectives of the applicant in case the applicant is an autonomous body, registered society or charitable trust;

(b) the applicant has a feasible and time-bound programme to set up the proposed Dental College along with the required infrastructure facilities in respect of buildings including adequate hostel facilities for boys and girls as prescribed by the Dental Council of India, dental and allied equipment, faculty and staff commensurate with the proposed intake of students, so as to complete the Dental College within a period of four years from the date of grant of permission;

(c) the applicant owns or holds by way of long term lease for a period of not less than 30 years obtained from Government or an authority of the Government, a plot of land measuring not less than 5 acres and has provided on the same plot of land, constructed area to set up the proposed dental college and proposes to increase the constructed area, in a phased manner, as given below:

Admissions	1 st year	3 rd year
50	30,000 sq. ft.	50,000 sq. ft.
100	60,000 sq. ft.	100,000 sq. ft.

(d) hostel accommodation in separate blocks for boys and girls and accommodation for staff, to the extent of 50 % of the strength, should be available at any given time in the same plot of land in addition to the built-up area mentioned in clause(c);

(e) an Essentiality Certificate in Form 4, as annexed, regarding No Objection of the State Government or Union territory administration for the establishment of the proposed dental college at the proposed site and availability of adequate clinical material as per the Council's regulations have been obtained by the applicant from the concerned State Government or Union territory administration.

Norms and Standards for Bachelor of education programme leading to Bachelor of Education (B.Ed) degree

1 Preamble

The Bachelor of Education programme, generally known as B.Ed., is a professional course that prepares teachers for upper primary or middle level (classes VI-VIII), secondary (classes IX-X) and senior secondary (classes XI-XII) levels.

2 Duration and working days

(1) Duration

B.Ed. programme shall be of duration of at least one academic year or two semesters.

(2) Working Days

- (a) There shall be at least two hundred working days each year exclusive of the period of examination and admission, out of which at least forty days shall be for practice teaching or skill development in nearby schools.
- (b) The institution shall work for a minimum of thirty six hours in a week (five or six days), during which physical presence in the institution of all the teachers and student teachers is necessary to ensure their availability for individual advice, guidance, dialogues and consultation as and when needed.

3 Intake, Eligibility and Admission Procedure

(1) Intake

There shall be a basic unit of one hundred students divided into two sections of fifty each for general sessions and not more than twenty five students per teacher for a school subject for methods courses and other practical activities of the programme to facilitate participatory teaching and learning.

(2) Eligibility

- (a) Candidates with at least fifty percent marks either in the Bachelor's Degree and/or in the Master's degree or any other qualification equivalent thereto, are eligible for admission to the programme.
- (b) The reservation in seats and relaxation in the qualifying marks in favour of the reserved categories shall be as per the rules of the concerned Government,

sqm. (five hundred square meters). For an annual intake beyond two hundred and upto three hundred, it shall possess land of 3500 sqm. (three thousand five hundred square meters). For the institutions established prior to this Regulations, for an additional intake of one hundred students, built up area is to be increased by 500 sqm. (five hundred square meters) and the requirement of additional land may not apply to them. Total intake capacity of an institution taking into account all the teacher education courses together must not exceed three hundred students. Separate land and built up area is required for physical teacher education courses.

(ii) Built up Area for running other courses in combination with B.Ed programme shall be as under:-

	Built Up Area (in sqm)	Land Area (in Sqm)
B.Ed	1500 Sq.mts.	2500
D.E.C.Ed plus B.Ed	2500 sq. mts	3000
D.El.Ed plus B.Ed	3000 sq. mts	3000
B.Ed plus M.Ed	2000 sq. mts	3000
D.E.C.Ed plus B.Ed plus M.Ed	3000 sq. mts	3500
D.El.Ed plus B.Ed plus M.Ed	3500 sq. mts	3500
D.El.Ed plus D.E.C.Ed Plus B.Ed plus M.Ed	4000 sq. mts	4000

Additional intake of one unit of B.Ed will require additional built up area of 500 sqm. (five hundred square meters)

(iii) Facilities

The institution must have the following infrastructure:

- (a) Two classrooms
- (b) Multipurpose Hall with seating capacity of 200 and a dias (2000 sq. ft)
- (c) Library -cum-Reading Room
- (d) ICT Resource Centre
- (e) Psychology Resource Centre
- (f) Art and Craft Resource Centre
- (g) Health and Physical Education Resource Centre
- (h) Science and Mathematics Resource Centre
- (i) Principal's Office
- (j) Staff Room
- (k) Administrative Office
- (l) Visitors Room
- (m) Girl's Common Room
- (n) Seminar Room
- (o) Canteen
- (p) Separate Toilet facility for Boys and Girls
- (q) Parking Space

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-11082020-221073
CG-DL-E-11082020-221073

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 319]
No. 319]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 11, 2020/श्रावण 20, 1942
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 11, 2020/SHRAVANA 20, 1942

वास्तुकला परिषद्

(वास्तुविद अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत गठित सांविधिक प्राधिकरण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 2020

फा. सं. सीए/193/2020/एमएसईआर.—वास्तुविद अधिनियम, 1972 (1972 का 20) की धारा 21 के साथ पठित धारा 45 की उप-धारा (2) के खंड (ड), (छ), (ज) और (ञ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वास्तुकला परिषद् (वास्तुकला शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम, 1983 का अधिक्रमण करते हुए, इस अधिक्रमण से पूर्व किए गए अथवा नहीं किए जा सके कार्यों को छोड़कर, वास्तुकला परिषद्, केन्द्र सरकार के अनुमोदन से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :-

- संक्षिप्त नाम और आरंभ — (1) ये विनियम वास्तुकला परिषद् (वास्तुकला शिक्षा के न्यूनतम मानक) विनियम, 2020 कहे जाएंगे।
(2) ये 1 नवम्बर 2020 से लागू होंगे।
- परिभाषाएँ— जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, इन विनियमों में :
(क) "अधिनियम" से आशय वास्तुविद अधिनियम, 1972 (1972 का 20) से है;
(ख) "मूल संकाय" से आशय संस्थान द्वारा नियमित आधार पर नियुक्त, परिषद् के साथ वैध पंजीकरण वाले पूर्णकालिक अध्यापक-वर्ग के सदस्यों से है;
(ग) "परिषद्" से आशय अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित वास्तुकला परिषद् से है;
(घ) "कार्यकारिणी" से आशय अधिनियम की धारा 10 के अधीन गठित कार्यकारिणी से है;
(ड.) "संकाय" से आशय संस्थान की सेवा में कार्यरत अध्यापक-वर्ग के सदस्यों से है;

Intake/ Year	I		II		III		IV		V	
	(INT)	(NAT)								
40	1	4	1	4	2	6	2	8	2	8
80 and above	1	4	2	5	2	8	4	10	4	10

Desirable: e-books and e-journals along with computer terminal with net facility for reference.
At least 2 Refereed journals (Min. 1 international) per intake of 40 shall be subscribed.

Note: INT- International; NAT- National

C: COMPUTER CENTER

Intake/ Year	I	II	III	IV	V
40/ 80/ 120	20	40	40	40	40

1. Requisite licensed software and peripherals such as printers, plotters, scanners, etc. shall be available at the computer center.
2. Upgrading of systems (hardware and software) shall be done every three years.
3. Computers more than three years old shall not be counted as part of lab.
4. Broadband internet connectivity of appropriate bandwidth shall be available to all computers.

Desirable:

1. All faculty and staff shall be provided with individual/ personal computers in addition to above outlined computer center requirements.
2. Wifi connectivity throughout the campus freely accessible to faculty and students.

LAND REQUIREMENTS: 1. The University or Institution shall possess a Minimum 8000 Square meter or Independent or undivided and contiguous share of land adequate enough to provide for built floor space of 2,000 Square meter for intake of 40 candidates, 3,000 Square meter for intake of 80 candidates and 4,000 Square meter for intake of 120 candidates in Architecture degree course. The built space should be contiguous.

2. Further, the University or Institution should also have sufficient space for sports, co-curricular activities and hostel, canteen and other facilities.
3. The land where the building of the University or Institution is located or built must be institutional land and must be owned by the trust or society or company.
4. The relaxation in the above may be made by the Council on the case to case basis for University or Institution located in hilly areas

APPENDIX-D

1. **ADMISSIONS-** (1) The candidates admitted to 1st year of the five year Architecture degree course without fulfilling the admission eligibility prescribed by the Council shall not be deemed to have attained recognized qualification listed in the schedule of qualifications appended to the Act. Such candidates shall not be eligible for registration as an architect with the Council.
(2) Admission shall not be made under any quota whatsoever, including the Central Government Nominee or Minority Institution or Management or Non-Resident Indian or Persons of Indian Origin or Foreign National or any another Quota, unless a candidate has passed an Aptitude Test in Architecture conducted by Council.
2. **COMPETENT AUTHORITY FOR ADMISSION** – (1) University, or Institution, shall conduct the admission to the Architecture degree course through a merit-based process in a transparent, fair and non-exploitative manner.
(2) The University or Institution shall submit a list of students admitted to the Architecture Degree course every year to the Council in the prescribed format, containing the score in the Aptitude Test in Architecture, and the marks secured in the qualifying examination, and in Physics, Chemistry and Mathematics subjects.

Degree Course

Higher Education Department
Government of Haryana

Number:KW 12/217-2007-C-II(3) Date of Issue 10.01.2014

*Policy Guidelines for opening
Self Financing Degree College*

Policy Guidelines for opening Self Financing Degree College

There will be following three stages for opening a Self Financing Degree College:

1. Submission of proposal in the prescribed application form for establishment of Self Financing Degree College alongwith the application fee and other necessary documents.
2. Issuance of Letter of Intent with conditions for compliance within a period of two years extendable for one more year.
3. On checking compliance to the Letter of Intent, No objection certificate will be issued by the State Government for opening of the College.

Submission of proposal:

1. An application in the prescribed application form (copy enclosed) containing the proposal with a detailed project report shall be submitted to the Government by the applicant by 31st January alongwith a non refundable application fee of Rs. 2.00 lacs.
2. The applicant can be a Non-profit Organization like a Public Trust/Society registered under Union or State Law or a Company registered under section 25 of the Companies Act, 1956. The society/trust/company must be in existence for at least three years. The Registration document of the sponsoring body alongwith membership and list of office bearers with address and objectives of the Society/Trust and terms & conditions governing them in the form of resolution of the Trust/Society shall be submitted alongwith the application.
3. The project report submitted by the sponsoring body shall inter alia contain the following information:
 - the background of the society/trust with reference to its experience, if any in promoting, managing and operating educational institutions, detail of its promoters including their background, their activities in education spheres since inception.
 - development plan for the college spelling out its phase wise growth plan over the first 5 years in terms of academic programmes and increase in student intake.

-architectural master plan indicating the land use pattern with future projections.

4. The applicant shall submit the audited balance sheets of at least three previous years and ways of means of financing the project.
5. The application shall be containing of all papers pertaining to land namely the registration deed/lease deed, CLU (if required), lay out plan etc.
6. The application will be processed only if the applicant offers to start all three streams namely Arts, Commerce and Science.

Requirement of land:

- (i) No Degree College can be opened unless the Sponsoring Body is in possession of
 - a. a minimum of 5 acres of land outside the municipal limits; or
 - b. a minimum of 4 acres of land within municipal committee; or
 - c. a minimum of 3 acres of land within municipal council; or
 - d. a minimum of 2 acres of land within municipal corporation.

For the purposes of this clause, "possession" means possession either by way of ownership or as a lessee having perpetual irrevocable lease of at least 30 years or gift deed at the time of application. The land shall be exclusively earmarked for the College.

- (ii) **Road connectivity**: - A well road connection to the College Land is a pre-requisite condition.

Issuance of Letter of Intent:

The State Government, if satisfied on receipt of the complete proposal as per requirement shall issue a Letter of Intent asking the sponsoring body to-

- a. Establish an endowment fund for the college with a minimum amount of Rs. Two Crore which shall be pledged in the form of FDR in original in favour of the Director General Higher Education, Haryana.

हरियाणा सरकार
कार्यालय वन मण्डल अधिकारी, फरीदाबाद
बाई पास रोड, नजदीक रोज गार्डन, सैक्टर-14, फरीदाबाद, दूरभाष 0129-2286760

सेवा में

क्रमांक 3432

दिनांक 16/3/2023

Manav Rachna International Institute
of Research and Studies,
Surajkund Badkhal road,
Faridabad, Haryana-121004

विषय

Diversion of 13.684 ha of forest land (closed under section 4 and 5 PLPA 1900) in favour of Manav Rachna International Institute of Research and Studies along Badkhal Surajkund road R side under Forest Division and District Faridabad.

संदर्भ

उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ का पत्र क्रमांक 9-HRC093/20-CHA
दिनांक फरवरी 2023

उपरोक्त विषय के संबंध में संदर्भांकित पत्र द्वारा उच्चाधिकारियों द्वारा

विषयांकित केस में निम्न आपत्ति लगाई गई है, जिसकी प्रति साथ संलग्न है—

1. After scrutiny it has been observed that the total land under possession of UA is 13.874 ha, whereas the submitted proposal is for 13.684 ha. Hence this proposal needs to be resubmitted by the user agency for 13.874 ha and all related documents/annexures need to be revised accordingly and sent afresh.
2. The reply/ justification regarding barest minimum requirement of forest land is found to be not very satisfactory in nature and it's supporting document, i.e. "Annexure D", as mentioned under point (7) of state Government's compliance letter has also not been received in compliance.

अतः आपको पत्र की फोटो प्रति भेजकर लिखा जाता है कि विषयांकित

केस में चाही गई रिपोर्ट शीघ्र अति शीघ्र इस कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें ताकि

आगामी कार्यवाही की जा सके।

संलग्न/उपरोक्त।


उप वन संरक्षक,
फरीदाबाद।



सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
 पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
**MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE
 CHANGE**
 एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ /Integrated Regional Office,
Chandigarh



Dated: February, 2023

F. No. 9-HRC093/2020-CHA

सेवा में,

नोडल ऑफिसर एवं अंप्रमुख्यवन संरक्षक (FC)
 कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक,
 C- 18, वन भवन, सेक्टर 6, पंचकुला, हरियाणा
 (cffcpanchkula@gmail.com)

विषय: Diversion of 13.684 ha of forest land (closed under section 4 & 5 of PLPA 1900) in favour of Manav Rachna International Institute of Research and Studies along Badkhal – Surajkund road under forest division and District Faridabad. (Online Proposal No. FP/HR/SCH/41500/2019)

Ref: (i) This office EDS letter of even number dated 02.12.2022.
 (ii) State Government's compliance letter No. क्रमांक क्रमांक डी-तीन-9207/3095 dated 30.01.2023

Sir,

Your kind attention is invited to the subject matter and letter under reference wherein information pertaining to the proposed project was requested from your office. After careful scrutiny, some information/documents were not found satisfactory in nature. Therefore, you are requested to furnish the following information which is specific in nature:

- After scrutiny it has been observed that the total land under possession of UA is 13.874 ha, whereas the submitted proposal is for 13.684 ha. Hence, this proposal needs to be resubmitted by the User agency for 13.874 ha and all related documents/annexures need to be revised accordingly and sent afresh.
 - The Annexure "ख" as mentioned under point (3) of State Government's compliance letter, containing the details and current status of Forest Offence Report booked by the DFO needs be provided as the same has not been received in compliance.
 - The reply/justification regarding barest minimum requirement of forest land is found to be not very satisfactory in nature and its supporting document, i.e., अनुलग्नक "घ" as mentioned under point (7) of State Government's compliance letter has also not been received in compliance.
3. उपरोक्त जानकारी इस पत्र के जारी होने के पश्चात 30 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें, जिसके प्रस्तुत न करने की स्थिति में इस प्रस्ताव को रद्द किया जा सकता है।

Signed by Gobind Sagar
 Bhardwaj
 Date: 23-02-2023 11:18:35
 Reason: Approved

भारतीय
 Sd/-
 (जी. एस. भारद्वाज)
 उप-वन महानिदेशक (केंद्रीय)
 IRO, MoEF&CC, Chandigarh

प्रतिलिपि :

- Divisional Forest Officer, Forest Division & District Faridabad, Haryana (dfo.frbad-hry@nic.in).
- MANAV RACHNA INTERNATIONAL INSTITUTE OF RESEARCH AND STUDIES,
 SURAJKUND BADKHAL ROAD, FARIDABAD, Haryana- 121004.
 (shashibhushan4777@gmail.com)